Important Questions for Class 9 Hindi – B Chapter 9

Answers at the Bottom

Ch-9 आदमी नामा (नज़ीर अकबराबादी)

1. नजीर अकबरावादी को और किन-किन नामों से जाना जाता है?

2. आदमी नामा कविता अनुसार आदमी किन कुकृत्यों से बुरा कहलाता है?

3. अंशराफ़ और कमीने से ले शाह ता वज़ीर
   ये आदमी ही करते हैं सब कारे दिलपज़ीर
   -इस कथन की व्याख्या कीजिए।

4. कवि नजीर अकबरावादी ने मुफलिस शब्द का प्रयोग समाज के किस वर्ग के लिए किया है?

5. आदमीनामा कविता में कवि का मुख्य उद्देश्य क्या है?

6. आदमी अच्छा और बुरा कब कहलाता है? आदमीनामा काव्य के आधार पर लिखिए।

7. आदमी नामा कविता का कौन-सा अंश आपको अच्छा लगा और क्यों?

8. नज़ीर अकबराबादी ने आदमी के चरित्र की विविधता को किस तरह उभारा है? आदमी नामा कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer

1. नजीर अकबरावादी को अकबरावादी, नजीर अकबर, अकबर नजीर आदि नामों से भी जाना जाता है।
2. आदमी लोगों की जूतियाँ चुराकर, किसी की जान लेकर तथा किसी की इज्ज़त उतारकर वह बुरा कहलाता है।
3. इस दुनिया में अच्छे काम करने वाले सज्जन पुरुष और दूसरों को सताने वाला कमीना से कमीना व्यक्ति भी आदमी ही है। दूसरों पर राज करने वाला राजा और मंत्री भी आदमी ही है। दूसरों को दुख पहुँचाने और

दूसरों को सुख देने वाले दोनों ही तरह के लोग आदमी ही हैं।

4. मुफलिस शब्द गरीब वर्ग के लिए प्रयोग किया गया है।
5. कवि के मुख्य उद्देश्य निम्न है-
    1. आदमी को उसकी अच्छाइयों, बुराइयों, सीमाओं व सम्भावनाओं से परिचित करवाना।
    2. आदमी को उसकी स्वाभाविक विविधता से परिचित करवाना।
    3. आदमी को उसकी असलियत का आईना दिखाना।
6. कर्मों के आधार पर ही आदमी अच्छा और बुरा कहलाता है। जब वह अच्छे कर्म करता है तो अच्छा आदमी और बुरे कर्म करने वाला बुरा आदमी कहलाता है।
7. 1. यां' आदमी पै जान को वारे है आदमी
    2. और आदमी पै तैग को मारे है आदमी
    3. पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी।
    4. चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी।
    5. और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी।

    मुझे ये पंक्तियाँ इसलिये अच्छी लगी क्योंकि इसमें दूसरे के लिये अपनी जान न्यौछावर करने वाली भावना है तो वही तलवारी चलाकर दूसरे की जान ले लेने वाला भी आदमी है। इन पंक्तियों में एक आदमी के मुसीबत में पड़ने पर दूसरे आदमी को सहायता के लिये पुकारने पर आदमी परोपकार की भावना से भर दूसरे आदमी की सहायता करने के लिये दौड़ पड़ता है।

8. कवि नज़ीर अकबराबादी ने 'आदमी नामा' कविता में आदमी के चरित्र को उसके स्वभाव और कार्य के आधार पर उभारा है। उनका कहना है कि दुनिया में लोगों पर शासन करने वाला आदमी है, तो गरीब, दीन-दुखी और दरिद्र भी आदमी है। धनी और मालदार लोग आदमी हैं तो कमजोर व्यक्ति भी आदमी है। स्वादिष्ट पदार्थ खाने वाला आदमी है तो दूसरों के सूखे टुकड़े चबाने वाला भी आदमी है। इसी प्रकार दूसरों पर अपनी जान न्योछावर करनेवाला आदमी है तो किसी पर तलवार उठाने वाला भी आदमी है। एक आदमी अपने कार्यों से पीर बन जाता है तो दूसरा शैतान बन जाता है। इस तरह कवि ने आदमी के चरित्र की विविधता को उभारा है।

https://www.evidyarthi.in/